बुधवार
15 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 71 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

राजगीर में विकास की रफ्तार तेज, लेकिन कुछ स्थानीय अपेक्षाएं अब भी अधूरी

बिहार की राजनीति में दो दशक से अधिक समय तक प्रभावशाली भूमिका निभाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में विकास की नई इबारत लिखी गई है। सड़कों, पुलों, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इन विकास कार्यों के बीच पर्यटन नगरी राजगीर एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरी है, जहां आधुनिक विकास की चमक तो दिखाई देती है, लेकिन कुछ स्थानीय अपेक्षाएं आज भी अधूरी रह गई हैं।

पिछले कुछ वर्षों में राजगीर ने तेजी से आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाया है। शहर में सड़कों का विस्तार हुआ है और कई अत्याधुनिक पर्यटन स्थलों का निर्माण किया गया है। रोपवे, ग्लास ब्रिज, जू सफारी, अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर और खेल संरचनाओं जैसी परियोजनाओं ने राजगीर को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भी पहचान दिलाई है। इसके साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय और बिहार खेल विश्वविद्यालय से जुड़ी गतिविधियों तथा अंतरराष्ट्रीय आयोजनों ने भी इस क्षेत्र की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।इन विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी देखने को मिल रहा है। हर वर्ष देश और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे होटल व्यवसाय, परिवहन सेवा और छोटे व्यापारियों को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। राजगीर अब केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं रहा, बल्कि एक बहुआयामी पर्यटन स्थलले लिया। पुलिस ने ग्रामीणों को घटनास्थल सेदूर रहने की हिदायत दी तथा क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी।

चेरो ओपी थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि जिस स्थाके रूप में विकसित हो रहा है।

हालांकि इस प्रगति के साथ कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे अब भी समाधान की प्रतीक्षा में हैं। राजगीर का ऐतिहासिक मलमास मेला, जो सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा का प्रतीक है, आज भी राष्ट्रीय मेला का दर्जा पाने के इंतजार में है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि इसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता मिल जाए तो क्षेत्र को और व्यापक पहचान मिल सकती है।

इसी तरह शहर के प्राचीन नाम 'राजगृह' को पुनर्स्थापित करने की मांग भी वर्षों से उठती रही है। नगर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए जाने और प्रशासनिक स्तर पर पहल के बावजूद यह मुद्दा अब तक आगे नहीं बढ़ सका है। स्थानीय नागरिक इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा विषय मानते हैं।

ऐसे में विकास और विरासत के बीच संतुलन स्थापित करना समय की मांग बन गया है। आधुनिक परियोजनाएं जहां राजगीर की पहचान को नया आयाम दे रही हैं, वहीं परंपरा और भावनाओं से जुड़े मुद्दों के समाधान से ही इस विकास यात्रा को पूर्णता मिल सकेगी।

न पर बम मिलने की सूचना मिली है, उसे सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस द्वारा घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया गया है। साथ ही मामले की सूचना वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दे दी गई है। पुलिस टीम पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और बम किसने और किस उद्देश्य से वहां रखा, इसकी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस सतर्कता बरत रही है

नगर निगम की पहल: नुक्कड़ नाटक से लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025–2026 के तहत नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना के निर्देश पर बिहारशरीफ नगर निगम द्वारा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को नगर निगम की ओर से वार्ड संख्या 37 के बुलक कुआं और नौवा टोली मोहल्ला में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित करना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने "स्वच्छता की नई पहल—बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ" का संदेश दिया और लोगों को बताया कि कचरा इधर-उधर फेंकने से वातावरण प्रदूषित होता है तथा मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी कई बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है।कलाकारों ने लोगों से अपील की कि वे कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर बनाने के लिए नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। यदि हर व्यक्ति अपने घर और मोहल्ले की सफाई के प्रति सजग रहेगा तो शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।इस अवसर पर वार्ड पार्षद संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने और नगर निगम के अभियान में सहयोग करने का संकल्प भी लिया।

एनडीए विधानमंडल दल का नेता चुने जाने पर सम्राट चौधरी को संजय सरावगी की बधाई

पटना (अपना नालंदा)।बिहार एनडीए विधानमंडल दल की बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। उनके इस चयन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

संजय सरावगी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में सेवा, सुशासन और विकास की गति को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी का कार्यकाल जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।

उन्होंने आगे कहा कि सम्राट चौधरी का सशक्त, अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा तथा जनसेवा के संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा। उनके नेतृत्व में बिहार में विकास की रफ्तार और तेज होगी तथा न्याय के साथ विकास की प्रतिबद्धता को भी मजबूती मिलेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जनता की उम्मीदों पर

खरे उतरेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरू किए गए विकसित बिहार के संकल्प को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयाम स्थापित किए हैं। सम्राट चौधरी उन उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए राज्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

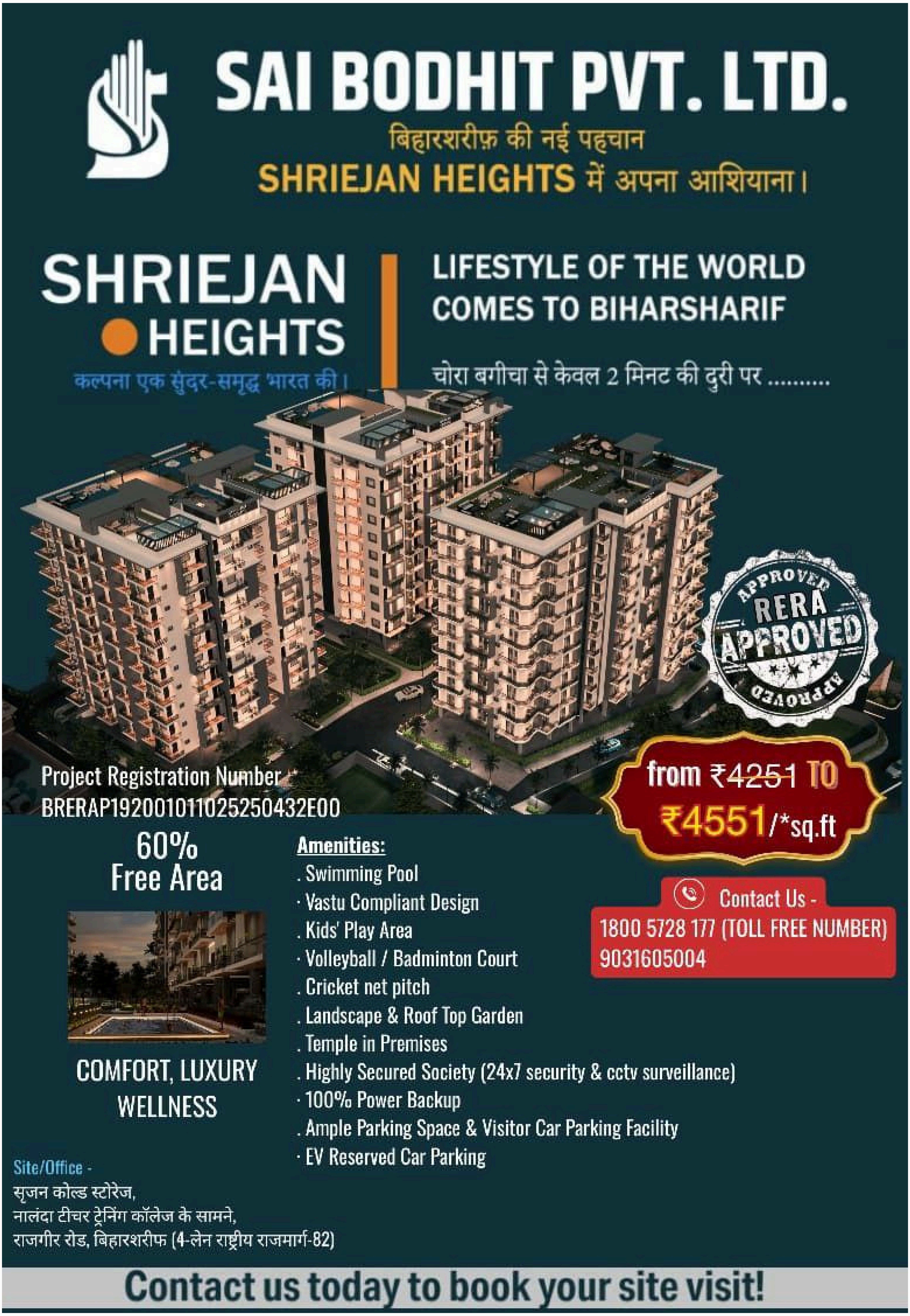
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
Project Registration Number
BRERAP192001011025250432E00
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

बिहारशरीफ टाउन हॉल में बाबा साहेब जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।मंगलवार को शहर के टाउन हॉल में ईमादपुर मोहल्ले की ओर से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को याद करते हुए समाज में समानता और न्याय की स्थापना का संकल्प लिया।

समारोह की अध्यक्षता रामजतन राव आर्य ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर एक महान समाज सुधारक, प्रख्यात अर्थशास्त्री और दलितों के मसीहा थे। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष में लगाया। उनका जीवन और विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।कार्यक्रम में रामवीर कुमार ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब के प्रति पूरा देश आभारी है। उनके द्वारा रचित संविधान ने देश के हर नागरिक को समान अधिकार और न्याय की गारंटी दी है। वहीं राज कुमार और सुनील रविदास ने कहा कि बाबा साहेब ने जन्म से लेकर जीवन के अंतिम समय तक समतामूलक समाज की स्थापना के लिए निरंतर संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज को शिक्षा, संगठन और संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर मुन्नी, कृष्णा रविदास, धर्मजीत रविदास, रामकृष्ण रविदास, शिवचरण पासवान, श्रवण रविदास सहित कई लोग मौजूद थे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत करने की अपील की।

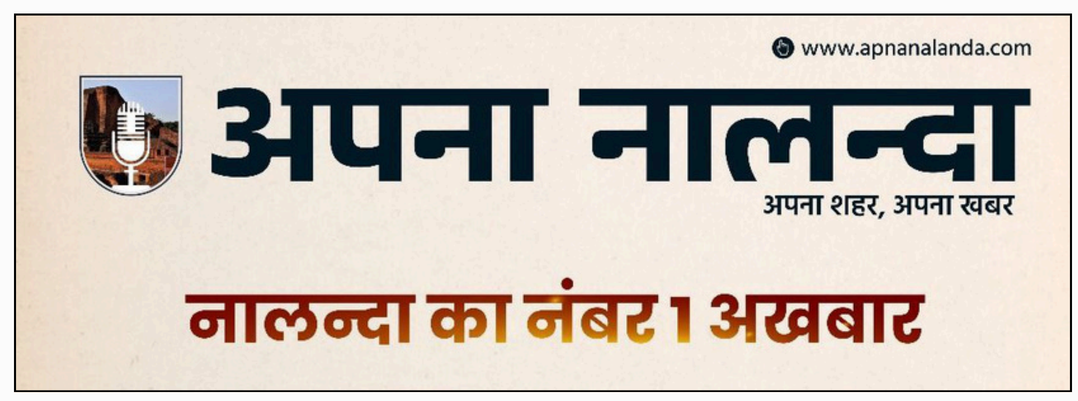

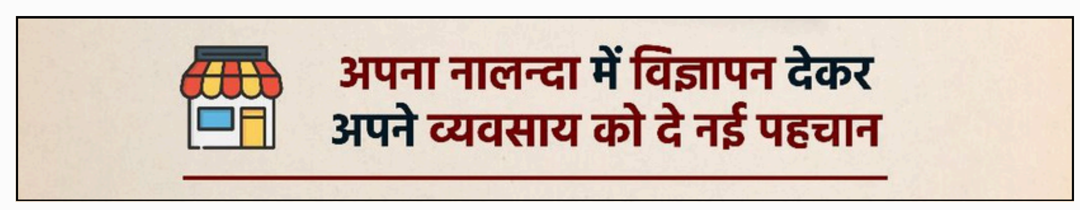

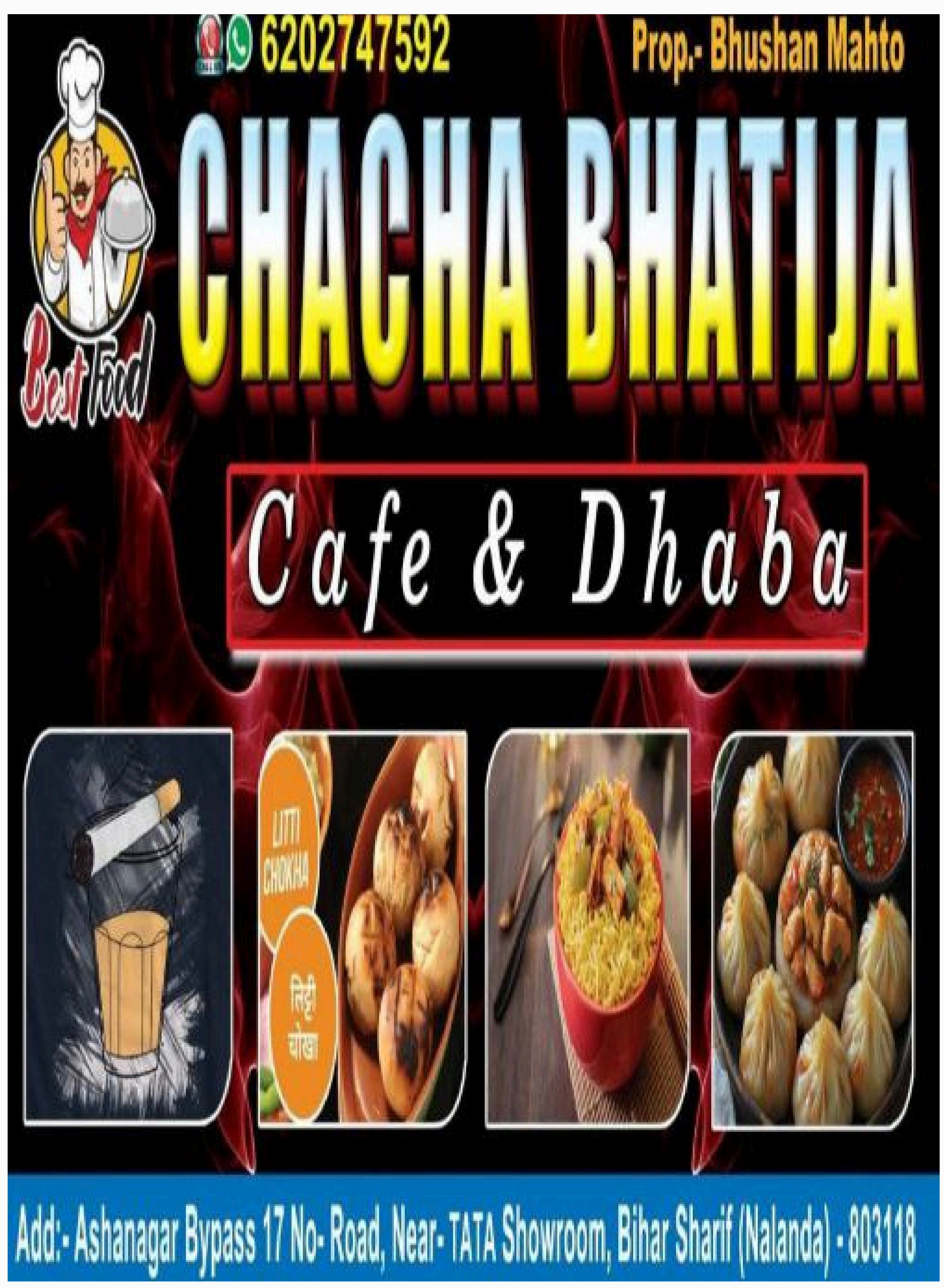

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen

✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels

✓ Modern design, storage

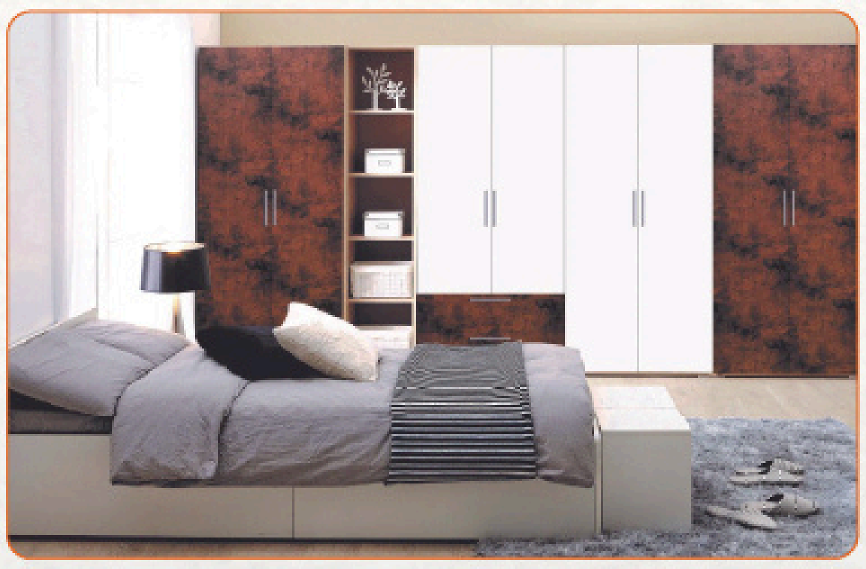

Wardrobes & Closets

✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities

✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578 | www.kalopehomes.com | Patna, Bihar

डॉ भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय राजगीर में एसडीओ ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।
संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को राजगीर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता, डीएसपी सुनील कुमार सिंह और विद्यालय के प्राचार्य डॉ राजीव रंजन द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्वीज प्रतियोगिता, भाषण, नृत्य नाटिका, उद्यमी बाजार, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी तथा वन मिनट चैलेंज जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ पहली से 12वीं कक्षा तक के मेधावी छात्र छात्राओं को एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता और डीएसपी सुनील कुमार सिंह द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है।

उन्होंने छात्रों से शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने और अनुशासन, परिश्रम तथा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। वहीं डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें न्याय, समानता और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ राजीव रंजन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सोनालिका सिंह, राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार, वार्ड पार्षद मीरा कुमारी, अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संविधान निर्माता की 135वीं जयंती पर गूंजा 'शिक्षित बनो, संगठित रहो' का नारा

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय बाजार के कल्याण बिगहा रोड स्थित संविधान नगर मुहल्ले के एक मैरिज हॉल में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। पासवान एकता मंच के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर बाबा साहेब के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य कमलेश पासवान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में पासवान एकता मंच के प्रखंड अध्यक्ष शिक्षक राजाराम पासवान, सचिव वृंद कुमार पासवान समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता शैलेन्द्र कुमार ने की, जबकि मंच संचालन अमरजीत पासवान ने किया।

मुख्य अतिथि कमलेश पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के निर्माता थे। उनके द्वारा रचित संविधान आज भारत की एकता और अखंडता का आधार है। वहीं सुरेश सिंह ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए बच्चों को पढ़ाने और समाज को जागरूक बनाने की अपील की।

पासवान एकता मंच के अध्यक्ष शिक्षक राजाराम पासवान ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" समाज को आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाता है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर निःशुल्क शिक्षण संस्थान के स्वयंसेवकों ने समाज सेवा का संकल्प लिया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष योगेंद्र पासवान, डॉ. श्रवण कुमार, अरुण कुमार, दिलीप पासवान, वीरेंद्र पासवान, दीपक, गौतम, अखिलेश और रेखा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

जदयू कार्यालय बिहारशरीफ में बाबा साहेब अंबेडकर जयंती सादगी और उत्साह से मनाई गई

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।

मंगलवार को जदयू पार्टी कार्यालय में जिला जदयू और नगर जदयू के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती सादगीपूर्ण और गरिमामय माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बाबा साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को याद किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही एक सशक्त और समतामूलक समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती, सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित नेताओं ने पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में नगर जिला अध्यक्ष प्रदुमन कुमार, जिला अभियान प्रभारी संजय पासवान, सुरेश प्रसाद, जनार्दन पंडित, निशांत कुमार, मो. मिराज उद्दीन, राजेंद्र प्रसाद, मो. अखलाक अहमद, विश्वजीत कुमार बंटी, शाहिद सिद्दीकी, नियाज अहमद, मो. अताउर रहमान, शशि भूषण प्रसाद, अब्दुल हक, मो. कफील अख्तर, युगल किशोर प्रसाद, रिंकू कुमार, अमित कुमार शर्मा, सज्जन कुमार, पप्पू कुमार, नारायण यादव, देवनंदन प्रसाद, अनूप कुमार शर्मा, योगेंद्र कुमार, डॉ. मो. अमजद सिद्दीकी, पप्पू बनौलिया, शैलेंद्र कुमार, अमरीश कुमार, मनोज कुमार, राजेश कुमार और इंदू सिन्हा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

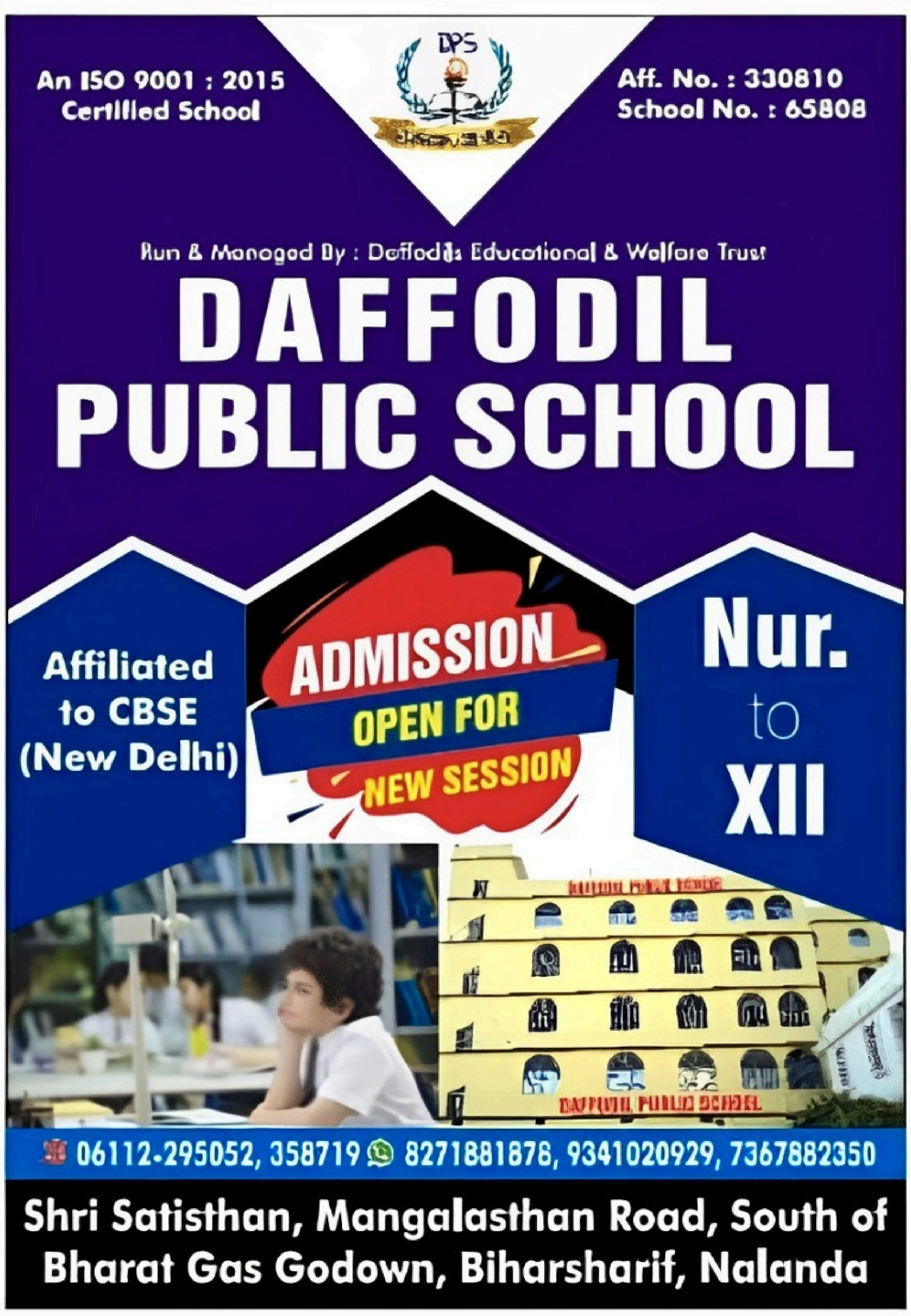

नालंदा उद्यान महाविद्यालय में बाबा साहेब अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाया गया

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)।नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सह अधिष्ठाता-सह-प्राचार्य के स्वागत से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों और प्रतिभागियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अपने संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। युवाओं को उनके सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे, जिन्होंने देश को समान अधिकार देने वाला सशक्त संविधान प्रदान किया।वरीय वैज्ञानिक डॉ. सी.एस. आजाद और डॉ. महेश कुमार ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने जीवनभर जाति प्रथा और छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष किया और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। डॉ. संतोष कुमार चौधरी, डॉ. ए.पी. सिंह और डॉ. आलोक ने भी उनके विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. दिव्या तिवारी, डॉ. नीरू, डॉ. ध्यानानंदा, डॉ. अचिन, डॉ. अजीत और डॉ. राम बाबु रमण ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं उत्कर्ष, शिवानी और रागनी ने भी अपने विचार रखे। अंत में डॉ. विजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संपादकीय

जे पी चौधरी

अभी न जाओ छोड़कर' भी उन शानदार आशा ताई के सदाबहार गानों में से एक है

'आशा भोसले का नौ साल की उम्र में शुरू संगीतमय सफर 92 वर्ष की आयु में थम गया और मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में शनिवार रात हृदय और सांस संबंधी परेशानी के बाद उन्होंने दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। आशा ताई के जाने से न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि पूरे संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। ऐसे में उनका गाया गाना 'अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं... जख्म को कुरेदता है। आज उन्होंने खुद यह वादा तोड़ दिया। उनकी आवाज अब कभी नहीं गूंजेगी, लेकिन उनके गाए गाने सदियों तक लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।

संगीत की साधना करने वाली आशा भोसले ने एक बार सिंगिंग रियलिटी टीवी शो में अपनी आखिरी इच्छा भी जाहिर की थी, जो संगीत से ही जुड़ी थी। उन्होंने बताया था, 'मैं

चाहती हूं कि गाते-गाते मौत आ जाए बस, और मुझे कुछ नहीं चाहिए। आशा भोसले ने मात्र 9 साल की

उम्र से गाना शुरू किया था। उन्होंने साल 1943 में अपना पहला फिल्मी गाना रिकॉर्ड किया। शुरू में उन्हें ज्यादातर कैबरे और डांस नंबर्स ही मिलते थे, लेकिन अपनी लगन और अद्भुत प्रतिभा से उन्होंने हर तरह के गानों में महारत हासिल कर ली। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर के बाद वह हिंदी सिनेमा की शानदार गायिका बन गईं। आशा भोसले ने न सिर्फ फिल्मी गीत गाए, बल्कि गजलें, भजन और शास्त्रीय संगीत आधारित गाने भी बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किए। फिल्म 'उमराव जान' में उनकी गजलें आज भी लोगों की खास हैं। आशा भोसले ने हजारों गाने गाए और हर पीढ़ी को अपनी आवाज से जोड़ा।

'अभी न जाओ छोड़कर' भी उन शानदार आशा ताई के सदाबहार गानों में से एक है। इसकी गिनती आशा भोसले के सबसे रोमांटिक और अमर गाने में की जाती है। 1961 में रिलीज फिल्म 'हम दोनों' में देव आनंद और

साधना पर फिल्माया गया यह गाना मोहम्मद रफी और आशा भोसले की जोड़ी ने गाया था। जयदेव का संगीत और साहिर लुधियानवी के शब्द वाला यह 4 मिनट 8 सेकंड का गीत रिलीज होते ही सुपरहिट हो गया। यह गाना

अलविदा आशा भोसले

जुदाई से पहले की मीठी-मीठी भावनाओं को बेहद कोमल तरीके से बयां करता है। आज भी यह गाना रेडियो, यूट्यूब, स्टेज शो और सोशल मीडिया पर बार-बार सुना जाता है। श्रोता इसे सुनकर भावुक हो जाते हैं। आशा भोसले ने 2023 में अपने 90वें जन्मदिन से पहले कहा था, 'हमारी सांस नहीं होती, तो आदमी मर जाता है। मेरे लिए संगीत मेरी सांस है। मैंने

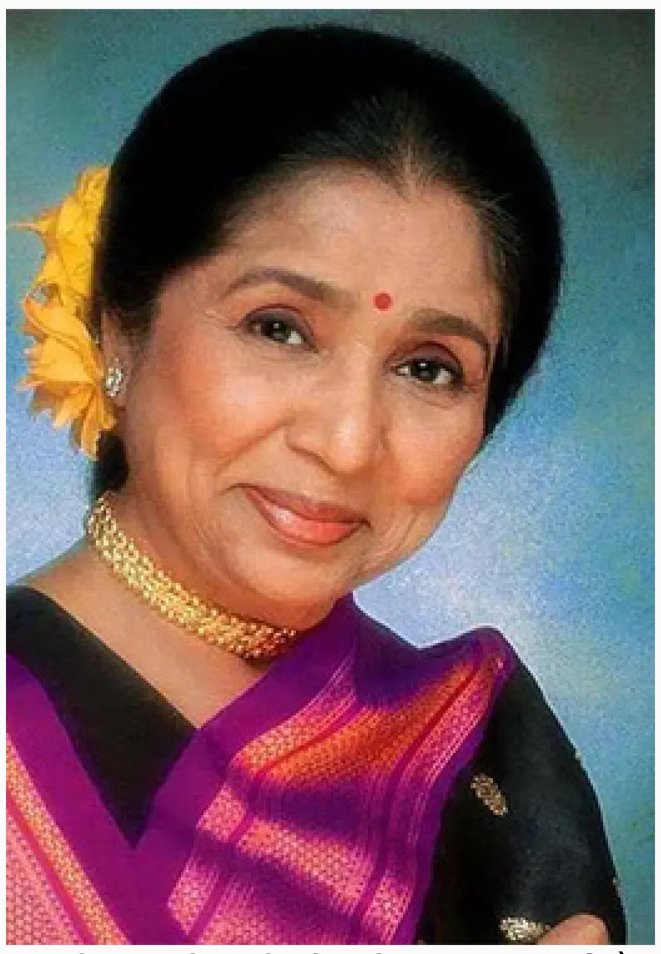

अपनी जिंदगी इसी सोच के साथ बिताई है। रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाली

जैसे शास्त्रीय आशा भोसले की बहुरंगी आवाज ने एक ओर जहां श्रोताओं को 'आजा, आजा' जैसे जोशीले गीत पर थिरकने को मजबूर किया, तो दूसरी ओर 'जुस्तजू जिसकी थी' जैसे विधा वाले गीतों के साथ उन्हें भावनाओं की गहराई में उतारा। उन्होंने दोनों तरह के गीतों को समान सहजता से निभाया। आशा भोसले को संगीत की दुनिया में केवल उनके लंबे सफर ने सबसे अलग नहीं बनाया, बल्कि हर दौर में खुद को समय के अनुसार नए सिरे से गढ़ लेने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भी उन्हें अलग पहचान दिलाई। श्वेत-श्याम सिनेमा से लेकर वैश्विक मंचों तक, ग्रामोफोन रिकॉर्ड से लेकर 'स्ट्रीमिंग' के दौर तक, उन्होंने अपनी आवाज को समय के अनुसार लगातार नया रूप दिया और इसी वजह से हर पीढ़ी में प्रासंगिक बनी रहीं। मीना कुमारी और मधुबाला से लेकर काजोल और उर्मिला मातोंडकर तक परदे की नायिकाएं बदलती रहीं, लेकिन आशा एक ऐसी कड़ी बनी रहीं, जिसने अतीत को वर्तमान से जोड़े रखा। साड़ी पहने, माथे पर सलीके से सजी बिंदी और करीने से बंधे बाल आशा भोसले की

यही छवि उनके प्रशंसकों सदा जीवित रहेगी। उन् 12,000 गीत गाए, जिनमें हिंदी में थे, लेकिन उन अलावा लगभग 20 अन्य भी गीतों को आवाज दी। या विराट सफर है, जिसे एक पाना आसान नहीं। आशा भाई-बहनों लता, उषा, हृदयनाथ के लिए संगीत नहीं, शायद नियति भी था और उषा गायिका थीं, वह हृदयनाथ संगीतकार हैं। क जन्मीं आशा को उनके पिन मंगेशकर ने अपने अन्य बन शास्त्रीय संगीत की शिक्षा अपने पिता के निधन के ब वर्ष की उम्र में अपना पहला किया। यह 1943 में फिल्म के लिए गाया मराठी गीत नव बाला' था। उन्होंने 'चुनरिया' के लिए 'सावन के साथ हिंदी फिल्म गायन कदम रखा। फिल्म जगब शुरुआती वर्ष संघर्ष भरे शुरुआत में कमतर दर्जे की गाने के लिए ही चुना जा पहले से ही अपनी मजबूत चुकी लता की छाया से बा उनके लिए चुनौती थी।

जहानाबाद में बाबा साहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती पर धूमधाम से मनायी गई

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)।भारतीय संविधान के शिल्पकार और भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को जहानाबाद शहर के अंबेडकर चौक पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लेकर बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जहानाबाद की जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान और अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिंह उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों को याद किया।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर नेदेश को एक मजबूत और लोकतांत्रिक संविधान दिया, जो आज भी देश की एकता और न्याय व्यवस्था की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहेब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए।वहीं पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, भाजपा जिला महामंत्री अमरेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बिहार की राजनीति में सम्राट चौधरी का उभार, नए दौर की शुरुआत

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)।बिहार की राजनीति में लंबे समय तक प्रभाव रखने वाले नीतीश कुमार के दौर के बीच अब एक नया नाम तेजी से उभरकर सामने आया है—सम्राट चौधरी। राज्य की राजनीति में उनका बढ़ता प्रभाव अब चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है। राजनीतिक गलियारों में यह कहा जा रहा है कि सम्राट चौधरी बिहार की राजनीति में एक नए नेतृत्व के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर संघर्ष, संगठनात्मक मेहनत और रणनीतिक सोच का मिश्रण रहा है। उन्होंने संगठन के भीतर अपनी मजबूत पकड़ बनाई है और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कायम रखकर अपनी अलग पहचान स्थापित की है। उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली और सक्रियता ने उन्हें भाजपा के प्रमुख नेताओं में शामिल कर दिया है।

बिहार में भाजपा की बढ़ती राजनीतिक ताकत के बीच सम्राट चौधरी का उभार एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। लंबे समय तक राज्य की राजनीति गठबंधन के समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती रही, लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव की चर्चा होने लगी है। ऐसे माहौल में सम्राट चौधरी को भाजपा के उभरते चेहरे के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। राज्य की जनता अब विकास, रोजगार और सुशासन के मुद्दों पर ठोस परिणाम चाहती है। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह जरूरी होगा कि वे अपने नेतृत्व कौशल और राजनीतिक अनुभव के बल पर जनता का विश्वास बनाए रखें।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाला समय यह तय करेगा कि सम्राट चौधरी का यह उभार बिहार की राजनीति में स्थायी बदलाव लाता है या केवल एक राजनीतिक लहर बनकर रह जाता है।

नालंदा की घटनाओं पर भड़के जनसुराज नेता उपेंद्र कुमार विभूति, बोले - बिहार की सरकार बेहद कमजोर

बेटियों की सुरक्षा, मंदिर हादसा और शिक्षा में भ्रष्टाचार पर सरकार घिरी

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में हाल के दिनों में हुई घटनाओं को लेकर जनसुराज के नेता उपेंद्र कुमार विभूति ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार की वर्तमान सरकार पूरी तरह कमजोर साबित हो रही है और कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि नालंदा से सामने आई घटनाएं न केवल मानवता को झकझोरने वाली हैं, बल्कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर विफलताओं को भी उजागर करती हैं।

उन्होंने कहा कि एक ओर 17 वर्षीय इंटर की छात्रा के साथ कथित रूप से पिस्तौल की नोक पर दुष्कर्म की जघन्य घटना सामने आती है। घटना के बाद भय और मानसिक आघात के कारण छात्रा द्वारा आत्महत्या कर लेने की खबर समाज को झकझोर देने वाली है। यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। यदि बेटियां अपने ही घर और समाज में सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं, तो यह सरकार की नीतियों और प्रशासनिक तंत्र की विफलता को दर्शाता है।

वहीं दूसरी ओर शीतला अष्टमी के अवसर पर मंदिर में हुई भगदड़ की घटना में आठ महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। उपेंद्र कुमार विभूति ने कहा कि यह घटना प्रशासनिक कुप्रबंधन और भीड़ नियंत्रण में घोर लापरवाही का परिणाम है। आस्था के केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी होती है, लेकिन इस मामले में भी व्यवस्था पूरी तरह विफल नजर आई।

उन्होंने शिक्षा विभाग में सामने आए भ्रष्टाचार के मामले को भी गंभीर बताते हुए कहा कि रिश्वतखोरी के आरोप में अधिकारियों पर कार्रवाई होने से यह स्पष्ट हो गया है कि शिक्षा व्यवस्था भी भ्रष्टाचार की चपेट में है। जिन संस्थानों और अधिकारियों पर समाज के भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी होती है, वहीं आज अनियमितताओं और घोटालों के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

उपेंद्र कुमार विभूति ने कहा कि ये घटनाएं अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि बिहार में व्याप्त

प्रशासनिक विफलता और राजनीतिक उदासीनता की एक श्रृंखला का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य आज भय, भ्रष्टाचार और बदहाल व्यवस्था के त्रिकोण में फंस गया है तथा वर्तमान सरकार राज्य को विकास की राह से भटका कर अव्यवस्था की ओर ले जा रही है।

उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि क्या बिहार की बेटियों की सुरक्षा केवल भाषणों तक सीमित रह गई है। क्या प्रशासनिक जवाबदेही समाप्त हो चुकी है और क्या भ्रष्टाचार शासन का अनौपचारिक हिस्सा बन चुका है।

जनसुराज की ओर से मांग की गई कि नालंदा की पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए त्वरित और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कठोर सजा दी जाए। मंदिर हादसे में मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों को बर्खास्त किया जाए।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब जागरूक हो चुकी है और अब समय आ गया है कि सत्ता से जवाबदेही मांगी जाए। जनसुराज बिहार के स्वाभिमान, सुरक्षा और सुशासन के लिए संघर्ष को और तेज करेगा। उन्होंने कहा कि बदलाव अब अनिवार्य है, क्योंकि बिहार अब चुप रहने वाला नहीं है।

बाबा साहब के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : सुवेन्द्र राजवंशी

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।मगध की ऐतिहासिक नगरी राजगीर में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा और रैली का आयोजन किया गया। पटेल चौक और ब्लॉक रोड की ओर से निकली रैलियां शहर के जयप्रकाश चौक पर एकत्रित हुई और वहां से नाचते-गाते अंबेडकर चौक पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान बाबा साहेब के समर्थन में गगनभेदी नारे लगाए गए। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवा-युवतियां हाथों में झंडे लिए शामिल हुए और डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए बाबा साहेब की जयकार करते रहे।

इस अवसर पर जदयू के जिला उपाध्यक्ष सुवेन्द्र राजवंशी ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को समानता, न्याय और शिक्षा का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। उन्होंने लोगों से सामाजिक भेदभाव समाप्त करने और शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशउपाध्यक्ष अनीता गहलौत ने कहा कि बाबा साहेब ने महिलाओं को अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए।डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है, जबकि संपत कुमार ने कहा कि उन्होंने वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया।इस अवसर पर पीटीजेएम सरस्वती विद्या मंदिर, नालंदा पब्लिक स्कूल और कमल मुनि कमलेश विद्यालय में भी अंबेडकर जयंती मनाई गई। वहीं अंतरराष्ट्रीय इनर व्हील क्लब राजगीर द्वारा दलित, शोषित, वंचित और पिछड़ी जाति के बच्चों के बीच स्लेट, पेंसिल, कॉपी और कैटपेंसिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में क्लब की प्रेसिडेंट अनीता गहलौत, सचिव अंजना सहगल, आईएसओ दीप्ति कौशिक, ट्रेजर कविता प्रवीण, लक्ष्मी कुमारी, कृति चौहान, प्रेमलता कुमारी और स्वीटी कुमारी उपस्थित थीं।

किड्ज केयर कान्वेंट में इनर व्हील क्लब द्वारा योग प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।स्थानीय हाजीपुर मोहल्ला स्थित किड्ज केयर कान्वेंट के प्रांगण में इनर व्हील क्लब ऑफ बिहारशरीफ के तत्वावधान में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन के मंत्र सीखे।कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योगाभ्यास किया। प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है।विद्यालय के निदेशक विनय कुमार ने कहा कि आधुनिक समय में बच्चों का झुकाव मोबाइल और डिजिटल माध्यमों की ओर अधिक हो गया है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे में योग बच्चों को संतुलित जीवन जीने की कला सिखाता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और संस्कारों पर भी विशेष ध्यान देता है।इनर व्हील क्लब ऑफ बिहारशरीफ की प्रेसिडेंट रश्मि रानी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनका स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की सचिव रश्मि कुमारी, मंजू प्रकाश तथा विद्यालय के शिक्षकगण और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया।

नालंदा जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर पर्याप्त, आपूर्ति निर्बाध जारी : डीएम

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि तेल विपणन कंपनी के जिला नोडल पदाधिकारी से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को इसकी निर्बाध आपूर्ति की जा रही है। जिले की कुल 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर प्रतिदिन औसतन 9040 घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि विभागीय नियमों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में 25 दिनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के अंतराल पर रिफिलिंग के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि लंबित बुकिंग का शीघ्र निष्पादन कर जिले के बैकलॉग को वर्तमान 4.0 से घटाकर 2 से 3 के बीच लाया जाए।

उन्होंने यह भी बताया कि खरमास समाप्त होने के बाद विवाह और अन्य कार्यक्रमों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वाणिज्यिक गैस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जिन लोगों के यहां विवाह समारोह निर्धारित है, वे अपने विवाह कार्ड के साथ संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर आवश्यक वाणिज्यिक गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। अब तक 1541 उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन दिया जा चुका है और प्रतिदिन लगभग 10 आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी संचालित है, जहां एलपीजी संबंधी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

धर्मपुर गांव में भाकपा माले नेताओं ने मनाई बाबा साहेब कि जयंती

थरथरी (अपना नालंदा)।प्रखंड के धर्मपुर गांव में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पूर्व मुखिया व किसान नेता बखोरी प्रसाद की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर भाकपा माले और अखिल भारतीय किसान महासभा से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को याद किया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय किसान महासभा के बिहार राज्य कमेटी सदस्य सह जिला सचिव मुनीलाल यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश को स्वतंत्रता के बाद एक मजबूत संविधान दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के प्रयासों से ही देश के नागरिकों को पढ़ने-लिखने, बोलने, काम करने और मतदान करने जैसे मौलिक अधिकार प्राप्त हुए हैं।

मुनीलाल यादव ने कहा कि आज संविधान की मूल भावना को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं, जिसे बचाने के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होने की आवश्यकता है। उन्होंने बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रसोई गैस, डीजल और पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि से किसान, मजदूर और गरीब वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश की कई सार्वजनिक संस्थाओं जैसे रेलवे, दूरसंचार, बीमा, कोयला और हवाई अड्डों का निजीकरण किया जा रहा है, जिससे आम जनता पर असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने रोजगार के अवसर बढ़ाने और युवाओं को बेहतर भविष्य देने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में मुन्ना प्रसाद, संजय कुमार, रमेश पंडित, रेनू पंडित सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब के विचारों को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

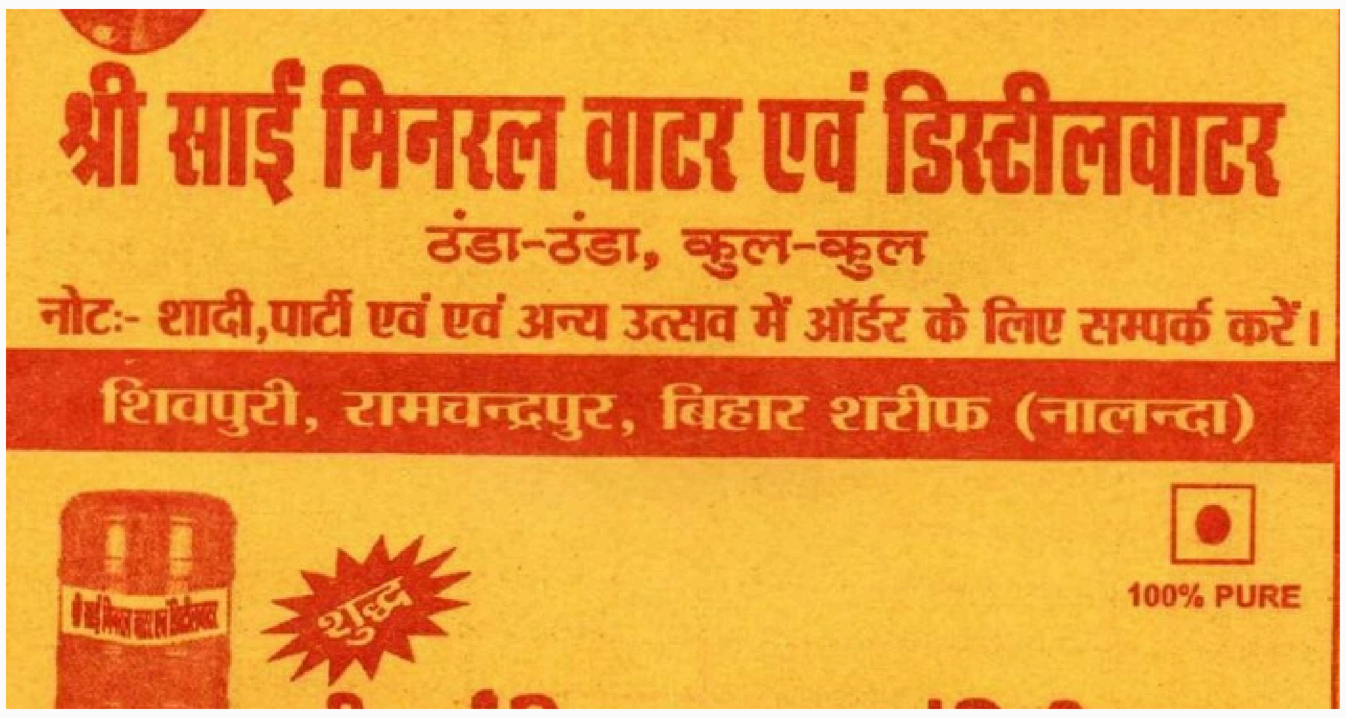

अमरौरा में प्रतिभा सम्मान समारोह: बेटियों ने दिखाई आगे बढ़ने की राह

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)।प्रखंड के अमरौरा गांव में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और मेधावी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल और मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष सह जिला पार्षद पिंकी कुमारी रहीं।पिंकी कुमारी ने छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सीमित संसाधनों के बावजूद गांव के छात्र-छात्राएं अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंनेविशेष रूप से बेटियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि अब गांवों में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है और लड़कियां शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

कार्यक्रम में समाजसेवी प्रेम कुमार सिन्हा ने कहा कि यदि बेटियों को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे समाज में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि गांव और शहर के बच्चों की प्रतिभा में कोई अंतर नहीं होता, अंतर केवल संसाधनों और अवसरों का होता है।

इस अवसर पर मुखिया प्रमोद कुमार और पंचायत समिति सदस्य पुष्पा कुमारी ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में पूर्व पंचायत समिति सदस्य उमेश चौधरी, शशिभूषण कुष्माकर, दीपक कुमार, पूर्व उप मुखिया रौशन कुमार, विनय कुमार, वार्ड सदस्य ओम प्रकाश और धनंजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

सरस्वती विद्या मंदिर हसनपुर में अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।मंगलवार को पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर (राजगीर) में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के जयंती प्रमुख आचार्य सुमोद कुमार झा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इसके बाद वंदना सत्र के दौरान भैया-बहनों, आचार्यगण और दीदीजी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदान को याद किया।इस अवसर पर कक्षा सातवीं की छात्रादीक्षिका और छात्र समीर ने डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में जाना जाता है और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है।

वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समानता, शिक्षा और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए।

कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्यगण और दीदीजी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया।

महाबोधि महाविद्यालय में अंबेडकर जयंती पर संगोष्ठी और क्विज़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।महाबोधि महाविद्यालय, नालंदा के केंद्रीय पुस्तकालय कक्ष में आईक्यूएसी समिति तथा एनएसएस और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर समारोह सह विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार सहित शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं द्वारा बाबा साहेब के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन, सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाने में बाबा साहेब की भूमिका को भी रेखांकित किया।

संगोष्ठी में वक्ताओं के रूप में डॉ. रामानुज . प्रसाद, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. सुधीर कुमार, डॉकौशलेंद्र कुमार, डॉ. आनंद माधवन, प्रो. आनंद मूर्ति, डॉ. रेणुका सिन्हा, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. अनीता तलवार, डॉ. विभा सिन्हा, प्रो. पल्लवी सिन्हा, डॉ. राखी कुमारी, डॉ. संध्या चौहान, आनंद शशिभूषण और विकास कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. सुधीर कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट सलोनी कुमारी और अंजली आनंद ने भी अपने विचार रखे। आयोजित क्विज प्रतियोगिता में खुशबू कुमारी प्रथम, अंजनी आनंद द्वितीय और सलोनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

सबनहुआडीह में आज से नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ की शुरुआत

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय नगर पंचायत के सबनहुआडीह स्थित बाबा बखौर मंदिर के पास आज से श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ का आयोजन की शुरुआत होगी। वहीं कार्यक्रम की देखरेख कर रहे हैं अयोध्या धाम से पहुंचे त्यागी बाबा ने बताया कि यह महायज्ञ नौ दिवसीय है। जिसमें आज बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा इसमें 501 से ऊपर श्रद्धालु कलशयात्रा में जलबोझी करेंगे। उन्होंने कहा कि कलशयात्रा में हाथी-घोड़े,डीजे शामिल रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि परिसर में 24 फीट लंबें,24 फीट चौड़ी तथा 21 फीट ऊंची यशशाला बनाई गई है। साथ ही रांची रोड़ समेत अन्य जगहों पर स्वागत द्वार बनाए गए हैं।साथ ही 30 बाई 20 मंच बनाई गई है। जबकि 60 बाई 70 के भव्य पंडाल बनाई। जिसमें 500 ऊपर श्रद्धालुओं की बैठेंगे।इसके साथ ही आचार्य व पंडितों के लिए 60 फीट लंबा एवं 12 फीट चौड़ा कुटिया बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि जलबोझी बख्तियारपुर स्थित गंगाजी के ग्यासपुर तट पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर विभिन्न प्रकार के झुले व दुकानें लगाईं जा रही है।साथ प्रवचन एवं रासलीला का भी मंचन किया जाएगा।

इस्लामपुर में सड़क किनारे मिला गार्ड का शव, हत्या की आशंका

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)।इस्लामपुर थाना क्षेत्र में एक प्राइवेट गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस इसे बीमारी से मौत का मामला बता रही है।

मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के हरसेनी गांव निवासी 56 वर्षीय अमरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। घटना केवई गांव के पास की बताई जा रही है, जहां वह सड़क किनारे संदिग्ध हालत में पड़े मिले। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्हें अचेत अवस्था में इस्लामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार अमरेंद्र कुमार पटना स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में पिछले एक वर्ष से प्राइवेट गार्ड के रूप में कार्यरत थे। सोमवार की रात वहअपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उनके साथ यह घटना घटी।

मृतक के बड़े भाई बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि अमरेंद्र के सिर और पैर में गहरे जख्म के निशान हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। अमरेंद्र कुमार अपने पीछे 19 वर्षीय बेटी को छोड़ गए हैं, जिसकी परवरिश को लेकर परिजन चिंतित हैं।

इस संबंध में इस्लामपुर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चिकित्सकों ने मिर्गी जैसी बीमारी के कारण मौत होने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

सामाजिक न्याय व समानता के प्रबल समर्थक थे डॉ आंबेडकर : प्रो. सुनीता सिन्हा

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज की प्राचार्या प्रो सुनीता सिन्हा ने कहा है कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया।

वे मंगलवार को नालंदा कॉलेज में डॉ अम्बेडकर की 135वीं जन्म-जयंती समारोह की अध्यक्षता करते हुए छात्रों व शिक्षकों को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने विद्यार्थियों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके आदर्श वाक्य -" शिक्षित बनो, एकजुट हो और संघर्ष करो " आज भी हमें प्रेरित करते हैं। डॉ. आंबेडकर ने समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न भीमराव रामजी आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ एस. रहमान, परीक्षा नियंत्रक डॉ उपेन प्रसाद मंडल, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ सर्वदमन कश्यप, अलाउद्दीन खान, जितेंद्र सिन्हा,

संतोष कुमार, विनय कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और भारतीय संविधान निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

प्राथमिक विद्यालय बेलदरिया के बच्चों ने नामांकन के लिए जागरूकता रैली निकाली

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।बिहारशरीफ प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय बेलदरिया पावा में प्रवेशोत्सव के तहत शत-प्रतिशत नामांकन को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में विद्यालय के शिक्षक, विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य, बाल संसद, मीणा मंच के सदस्य और बच्चों ने भाग लिया।

रैली के दौरान बच्चों ने बेलदरिया, पावा कॉलोनी और बंगाली नगर गांव की गलियों में घूमकर अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में बच्चों का नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्रधान शिक्षक रोहित कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यालय में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित शिक्षक कार्यरत हैं, जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों को पुस्तक, डायरी, छात्रवृत्ति, पोशाक, मध्याह्न भोजन और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं देकर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जा रही है।उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, सामाजिक मूल्यों की समझ, देशभक्ति और परिस्थितियों से जूझने की क्षमता भी विकसित करते हैं। विद्यालय के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्काउट-गाइड, खेलकूद और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी भाग ले रहे हैं।

संघर्ष से शिखर तक: बिहार में भाजपा की लंबी यात्रा और सम्राट चौधरी का उदय

वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया

बिहार की राजनीति में मौजूदा समय एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी, जिसने दशकों तक गठबंधन की राजनीति में “जूनियर पार्टनर” की भूमिका निभाई, आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है जहां वह अपने दम पर मुख्यमंत्री देने की स्थिति में दिखाई दे रही है। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में उभरना केवल किसी एक नेता की राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि यह उस लंबे संघर्ष, संगठनात्मक मेहनत और रणनीतिक राजनीति का परिणाम है, जिसे वर्षों तक कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिलकर तैयार किया। वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया के अनुसार यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार में भाजपा के संगठनात्मक और वैचारिक विस्तार की एक बड़ी उपलब्धि है।

जनसंघ से भाजपा तक: संघर्ष की शुरुआत

बिहार में भाजपा की राजनीतिक जड़ें भारतीय जनसंघ के दौर से जुड़ी रही हैं। हालांकि 1980 में भाजपा के गठन के बाद ही पार्टी ने अपने राजनीतिक विस्तार की नई शुरुआत की। उस समय बिहार की राजनीति में कांग्रेस का वर्चस्व था और भाजपा का संगठन बेहद कमजोर माना जाता था।

इसी कठिन दौर में कैलाशपति मिश्र का नाम प्रमुखता से सामने आता है। उन्हें बिहार भाजपा का “भीष्म पितामह” कहा जाता है। इसकी वजह यह है कि उन्होंने उस दौर में पार्टी का संगठन खड़ा किया, जब भाजपा का नाम लेना भी राजनीतिक रूप से आसान नहीं था। 1980 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 246 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन मात्र 21 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी। 1985 के चुनाव में यह संख्या घटकर 16 रह गई। कई उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो जाती थी। यह भाजपा के लिए अस्तित्व की लड़ाई का समय था।

लेकिन कैलाशपति मिश्र ने हार नहीं मानी। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक फैलाने की कोशिश की, कार्यकर्ताओं को जोड़ा और पार्टी के लिए वैचारिक आधार तैयार किया। यही आधार आगे चलकर भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बना।

1990 का दशक: राजनीतिक बदलाव की शुरुआत

1990 का दशक बिहार की राजनीति के लिए निर्णायक साबित हुआ। इसी दौर में लालू प्रसाद यादव का उदय हुआ और सामाजिक न्याय की राजनीति ने पूरे राज्य की दिशा बदल दी। इसी समय भाजपा ने भी अपनी रणनीति को बदला और नए सामाजिक समीकरणों को समझने का प्रयास किया।

1990 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 39 सीटें जीतीं और 1995 में यह संख्या बढ़कर 41 हो गई। यह संकेत था कि भाजपा अब हाशिए की पार्टी नहीं रही, बल्कि राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। पार्टी का संगठन लगातार मजबूत हो रहा था और कार्यकर्ताओं का आधार भी बढ़ रहा था।

सुशील मोदी का दौर: रणनीति और विश्वसनीयता

अगर बिहार में भाजपा को मजबूत राजनीतिक पहचान देने का श्रेय किसी नेता को दिया जाता है, तो वह सुशील कुमार मोदी हैं। उन्हें अक्सर संगठन और रणनीति का कुशल संयोजक माना जाता है। 2000 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 67 सीटें जीतकर अपनी ताकत का एहसास कराया।

सुशील मोदी ने विपक्ष में रहते हुए भी सरकार की नीतियों पर लगातार सवाल उठाए और भाजपा को एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित किया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ पार्टी को विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प के रूप में भी प्रस्तुत किया। वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया के अनुसार सुशील मोदी ने भाजपा को सिर्फ राजनीतिक ताकत नहीं दी, बल्कि उसे विश्वसनीयता भी दिलाई।

नीतीश-भाजपा गठबंधन: सत्ता की राह

बिहार में भाजपा के राजनीतिक विस्तार में नीतीश कुमार के साथ गठबंधन एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। 2005 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-जदयू गठबंधन ने सत्ता हासिल की और राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। फरवरी 2005 में भाजपा को 37 सीटें मिलीं, जबकि अक्टूबर 2005 के चुनाव में यह संख्या बढ़कर 55 हो गई। 2010 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 91 सीटें जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। हालांकि मुख्यमंत्री जदयू के नीतीश कुमार थे, लेकिन भाजपा ने सरकार में अहम भूमिका निभाई।

इस दौर में सुशील मोदी उपमुख्यमंत्री के रूप में प्रशासनिक अनुभव हासिल कर रहे थे और भाजपा को सत्ता संचालन की समझ भी मिल रही थी।

यह भाजपा के लिए राजनीतिक परिपक्वता का दौर था।

2013 से 2015: संकट और आत्ममंथन

2013 में भाजपा और जदयू का गठबंधन टूट गया, जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। इसके बाद 2015 के विधानसभा चुनाव में भाज पा ने अकेले चुनाव लड़ा और 53 सीटों पर सिमट गई। यह पार्टी के लिए बड़ा झटका था, लेकिन इसी झटके ने भाजपा को आत्ममंथन का मौका भी दिया।

पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और नई रणनीति तैयार करने पर ध्यान दिया। इसी रणनीति का परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिला।

वापसी और विस्तार

2017 में नीतीश कुमार फिर से एनडीए में लौट आए। इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 74 सीटें जीतकर अपनी ताकत का मजबूत संकेत दिया। यह स्पष्ट हो गया कि अब भाजपा बिहार की राजनीति में केवल सहयोगी दल नहीं रही, बल्कि नेतृत्व की भूमिका निभाने की ओर बढ़ रही है।

सम्राट चौधरी का उदय: नई पीढ़ी का नेतृत्व

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय भाजपा की नई रणनीति का प्रतीक माना जा रहा है। 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली। संगठन में उनकी सक्रियता और राजनीतिक आक्रामकता ने उन्हें तेजी से आगे बढ़ाया।

2024 में वे उपमुख्यमंत्री बने और 2025 के चुनाव में भाजपा को 89 सीटों की बड़ी सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चंदन चौरसिया के अनुसार सम्राट चौधरी भाजपा की उस नई राजनीति का चेहरा हैं, जिसमें संगठन, सामाजिक समीकरण और आक्रामक राजनीतिक रणनीति का संतुलन दिखाई देता है।

किसकी सींची फसल काट रहे हैं सम्राट?

अगर भाजपा की इस सफलता को व्यापक नजरिए से देखा जाए, तो यह कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की दशकों की मेहनत का परिणाम है।

कैलाशपति मिश्र ने संगठन की नींव रखी।

सुशील कुमार मोदी ने पार्टी को राजनीतिक पहचान और रणनीति दी।

नीतीश कुमार के साथ गठबंधन ने भाजपा को सत्ता का अनुभव दिलाया।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को वैचारिक ऊर्जा दी।

इन सभी प्रयासों का परिणाम आज भाजपा की मजबूत स्थिति के रूप में दिखाई दे रहा है, जिसका नेतृत्व सम्राट चौधरी कर रहे हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

हालांकि सत्ता तक पहुंचना जितना कठिन होता है, उसे संभालना उससे कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। सम्राट चौधरी के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। उन्हें संगठन और सरकार के बीच संतुलन बनाए रखना होगा, जातीय और सामाजिक समीकरणों को साधना होगा और विपक्ष के राजनीतिक हमलों का प्रभावी जवाब देना होगा।

निष्कर्ष: नए दौर की शुरुआत

बिहार की राजनीति में भाजपा का यह उभार केवल चुनावी सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह दशकों के संघर्ष, संगठनात्मक धैर्य और रणनीतिक राजनीति की परिणति है। सम्राट चौधरी का उदय इस लंबी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया के शब्दों में, “यह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। भाजपा को अब यह साबित करना होगा कि वह केवल चुनाव जीतने में ही नहीं, बल्कि प्रभावी शासन देने में भी सक्षम है।”

वास्तव में यह कहा जा सकता है कि बीज किसी और ने बोया था, उसे सींचा भी कई हाथों ने, लेकिन अब उस फसल को संभालने और आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सम्राट चौधरी के कंधों पर है।

अक्षय तृतीया पर खुलता है कुबेर का भंडार, शांति और समृद्धि लाता है यह पर्व

आलेख : विजय कुमार जैन
(मंत्री – भगवान महावीर जन्मभूमि कुण्डलपुर दि. जैन समिति, महामंत्री – विद्वत् महासंघ))

हस्तिनापुर तीर्थ एक प्राचीन नगरी है। यहाँ पर जैन धर्म के 3 तीर्थंकरों की जन्मभूमि है। भगवान शांतिनाथ भगवान कुन्थुनाथ एवं भगवान अरहनाथ इन तीन तीर्थंकरों के चार-चार कल्याणकों से पावन एवं पवित्र भूमि है। इसी के साथ अनेक ऐतिहासिक घटनाओं के साथ यह भूमि जुड़ी हुई है। रक्षाबंधन पर्व यही से प्रारंभ हुआ एवं भगवान ऋषभदेव की पारणा भूमि यही है। इसी के साथ भगवान मल्लिनाथ का समवसरण यहाँ पर आया था। ऐसी अनेक धार्मिक घटनाऐं यहाँ से जुड़ी हुई है। अक्षय तृतीया पर्व का विशेष महत्व है। यहाँ भगवान ऋषभदेव को एक वर्ष 39 दिन पश्चात् इस हस्तिनापुर नगरी के राजा श्रेयांस ने आहार दे करके दान की प्रथा को प्रारंभ किया। इससे पूर्व लोग ये नहीं जानते थे कि जैन साधु को आहार किस प्रकार दिया जाता है। राजा श्रेयांस एवं उनकी भाई सोमप्रभ को भगवान ऋषभदेव के आने के पूर्व रात्रि में स्वप्न आया जिस स्वप्न में उन्हें सुमेरूपर्वत का दर्शन किया एवं उस स्वप्न का फल यह था कि ऐसा महापुरूष इस धरती पर आने वाला है। जिसका सुमेरूपर्वत पर इंद्रों द्वार अभिषेक हुआ हो। भगवान ऋषभदेव का दर्शन करते ही उन्हें जातिस्मरण (पूर्वभव की याद) हो गया। जिससे उन्होंने भगवान को नवधा भक्तिपूर्वक पड़गाहन करके इच्छु रस (गन्ने के रस) का आहार दिया। आहार देते ही देवों ने आकाश से पंचाश्चर्य (रत्नों) की वृष्टि की एवं खूब जय-जयकार के साथ भगवान की भक्ति की। भगवान के आहार के प्रताप से वह दिन अक्षय तृतीय के नाम से जाने जाना लगा एवं जिस पात्र से भगवान को आहार दिया गया था। उस दिन उस पात्र में रस समाप्त नहीं हुआ वह अक्षय हो गया। चक्रवती की पूरी सेना भी उस पात्र से रस पी जाये तव भी रस समाप्त नहीं होता है।

कैसे मनाते है अक्षय तृतीय पर्व

वर्तमान में देश एवं विदेश में जो भी जैन श्रद्धालुगण रहते है। वे वर्षीतप एवं वर्ष में उपवास करते है। कोई 6 माह का 3 माह का एवं एक माह का या एक वर्ष का। उन सभी श्रद्धालुओं की मान्यता है कि भगवान ऋषभदेव का एक वर्ष पश्चात् यहाँ पर पराणा हुआ था। इसलिए इस भूमि को वे अत्यंत ही पावन एवं पवित्र मानते है और यहाँ पर आ करके अपने इष्टमित्रों एवं परिजनों के साथ में आकरके उपवास करने वाले तपसी श्रावक या श्राविका को ढोल बाजे के साथ में इच्छु रस का पारणा करवाते है एवं अपने आपको धन्य मानते हैं। अनेक महिनों पूर्व धर्मशालाओं एवं अनेक व्यवस्थाओं की व्यवस्था एवं बुकिंग करते हैं। ऐसे ही जैन साधु इस भूमि पर आकर के उस दिन इच्छु रस का आहार ग्रहण करते है एवं सारे देश में जैन साधु-साध्वियाँ जहाँ भी विराजमान है वहां पर वह इच्छु रस का ही आहार ग्रहण करते है। यह परम्परा अनेकों वर्षो से चली आ रही है।

अक्षय तृतीया का इतिहास

जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर भगवान ऋषभदेव से जुड़ा है अक्षय तृतीया पर्व का इतिहास। भगवान ऋषभदेव ने अयोध्या में जन्म लिया एवं प्रयाग की (इलाहाबाद) धरती पर जैनेश्वरी दीक्षा को धारण किया। जो कि इस युग की प्रथम दीक्षा थी। क्योंकि भगवान ऋषभदेव वर्तमान चैबीसी के प्रथम तीर्थकर है। दीक्षा को धारण करते ही ध्यान लगाकरके भगवान बैठ गये। भगवान के साथ में 4 हजार राजाओं ने दीक्षा ग्रहण की। 6 माह पश्चात भगवान ऋषभदेव आहारचर्या बतलाने के लिए कि जैन साधुओं को किस प्रकार आहार करना चाहिए लोगों को इस विधि का ज्ञान हो सके इसलिए आहार के लिए निकले लोगों को ज्ञान ही नहीं था कि जैन साधुओं को आहार किस प्रकार से करना चाहिए। महायोगी ऋषभदेव जिस ओर कदम रखते थे वहीं के लोग प्रसन्न होकर के बड़े आदर के साथ उन्हें प्रणाम करते थे और कहते थे कि भगवान प्रसन्न हो जाईये कहिये क्या काम है, कितने ही लोग भगवान के पीछे-पीछे चलने लगते थे, अन्य कितने ही लोग बहुमूल्य रत्नलाकर भगवान के सामने रखकर कहते थे कि हे देव इन रत्नों ग्रहण कर लीजिए और कितने ही लोग अन्य प्रकार के पदार्थ वस्त्र आभूषण, माला, कन्या, भवन, सवारी आदि दिखाकरके कहते थे कि प्रभु इसे ग्रहण कर लीजिए और हमें कृतार्थ कीजिए। तीर्थंकर भगवन अपनी चर्या में विघ्न मानकरके आगे बड़ जाते थे। लोग निराश होकर के प्रभु की ओर देखते रह जाते थे और सोचते थे कि किस प्रकार से भगवान को उनकी महचाही वस्तु देकर के हम कृतार्थ हो सकें। इस प्रकार से भगवान को 6 महा व्यतीत हो जाते हैं। कुल मिलाकर के 1 वर्ष पूर्ण हो जाता है और महामुनि कुरूजांगल देश के आभूषण ऐसे हस्तिनापुर नगर के समीप पहुँचते हैं।

अक्षय तृतीया का प्राचीन इतिहास हस्तिनापुर तीर्थ से ही प्रारंभ हुआ है। वैशाख सुदी तीज को अक्षय तृतीय के नाम से जाना जाता है। अक्षय का अर्थ है जिस वस्तु का कभी क्षय न हो अर्थात् वस्तु समाप्त न हो और वह महीना वैशाख का था और तिथि तृतीया थी। इसलिए इसका नाम अक्षय तृतीया पड़ा। लोगों का मानना है कि इस दिवस किया जाने वाला कार्य वृद्धि को प्राप्त होता है। भगवान ऋषभदेव को हुए कोड़ा कोड़ी वर्ष (करोड़ों करोड़ो साल) व्यतीत हो गये। लेकिन आज भी अक्षय तृतीया का पर्व मनाने के लिए देश एवं विदेश से जैन श्रद्धालु हस्तिनापुर की धरती पर आते हैं। जैन श्रद्धालु आहार दान की महिमा का वर्णन करते हुए इस पवित्र धरती पर आते हैं। इस पवित्र दिवस का ये महत्व है कि बिना मुहूर्त के ही हजारों विवाह सम्पन्न होते हैं। अगणित ग्रह प्रवेश आदि मांगलिक कार्य सम्पन्न किये जाते हैं। और इसे सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है।

भगवान ऋषभदेव को प्रथम पारणा का रहस्य

हस्तिनापुर नगरी के शासक राजा सोमप्रभ और उनके भाई श्रेयांस कुमार थे। पिछली रात्रि में राजा श्रेयांस को उत्तम-उत्तम 7 स्वप्न दिखाई देते हैं। प्रातः वह अपने स्वप्नों को अपने भाई सोमप्रभ से उन स्वप्नों को बताकर उनका फल पूछते हैं। प्रथम स्वप्न में मैने सुमेरूपर्वत देखा है, दूसरे में एक कल्पवृक्ष देखा है जिसकी शाखाओं पर आभूषण लटक रहे हैं, तीसरे में सिंह देखा है, चैथे में बैल, पाँचवें में सूर्य और चंदमा, छठे में लहरों से सुशोभित समुद्र तथा सातवें में अष्ट मंगल द्रव्यों को हाथों में धारण किये व्यंतर देवों को देखा है। इन स्वप्नों का उत्तम फल जानकरके अति प्रसन्न चित्त हो करके के चिन्तन ही कर रहे होते हैं कि तभी सुनने में आता है कि तीर्थंकर ऋषभदेव हस्तिनापुर में प्रवेश कर चुके हैं चारों ओर भारी जन समुदाय एकत्र होकर के भगवान का दर्शन करता है। उनके चरणों की पूजन करता है।

कोई कहता है कि अहो बड़े आश्चर्य की बात है कि ये तीन लोक के स्वामी भगवान ऋषभदेव समस्त राज्य वैभव का त्याग कर पूर्ण दिगम्बर होकर आज अकेले ही इस पृथ्वीतल पर विचरण कर रहे हैं। इतने में ही द्वारपाल द्वारा सूचना प्राप्त होती है कि प्रभु समीप में ही पधार चुके है और इधर ही आ रहे हैं। राजा सोमप्रभ और श्रेयांस महल के बाहर आ जाते हैं प्रभु के चरणों में नम्रता पूर्वक नमस्कार करते हैं। इतने में ही राजकुमार श्रेयांस को पूर्वभव का जाति स्मरण हो जाता है कि जब में राजा बज्रजंघ की रानी श्रीमती की पर्याय में मुनियों को दिये गये आहार दान की सारी विधि स्मरण में आ जाती है। महाप्रभु ऋषभदेव को देखते ही राजा श्रेयांस एवं सोमप्रभ ने हे भगवन् अत्रो-अत्रो, तिष्ठो-तिष्ठो आहार जल शुद्ध है, मन शुद्धि, वचन शुद्धि, काय शुद्धि आहार-जल शुद्ध है मुद्रा छोडिये आहार ग्रहण करिये नवधा भक्ति पूर्वक पड़गाहन कर लेते हैं एवं अष्ट द्रव्य से पूजन कर नमस्कार करते हैं ऐसे निवेदन कर प्रभु से आहार ग्रहण करने हेतु प्रार्थना करते हैं भगवान ऋषभदे करपात्र में आहार प्रारंभ कर देते हैं बड़ी भक्ति के साथ राजा श्रेयांस इच्छुरस (गन्ने) का आहार देते हैं। उसी समय आकाश से देवों द्वारा रत्न वृष्टि होने लग जाती है नाना प्रकार सुगंधित पुष्पों की वृष्टि होने लग जाती है। देवता भी धन्य है यह दान धन्य यह पात्र धन्य ये दाता ऐसे शब्दों से आकाश गुंजायमान कर देते हैं एवं देवों द्वारा पाँच अतिशय पंचाश्चर्य कहलाते हैं राजा श्रेयांस प्रभु को आहार देने में मग्न हैं देवतागण हर्ष विभोर होकर के पंचाश्चर्य की वृष्टि कर रहे है। प्रभु ऋभषदेव आहार करके वन की ओर प्रस्थान कर जाते हैं। उस दिन सारे नगर में गन्ने के रस का प्रसाद वितरण किया जाता है। लेकिन फिर भी गन्ने का रस समाप्त नहीं होता है। वह अक्षय हो जाता है।

इच्छु रस का हुआ पारण, आखा तीज महान।
जय जय ऋषभदेव भगवान, जय जय ऋषभदेव भगवान।।

भरत चक्रवती के द्वारा राजा श्रेयांस को दान तीर्थ की उपाधि

राजा श्रेयांस ने प्रथम आहार दान दिया क्योंकि इस युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव थे। तो यह प्रथम आहार था भरत चक्रवर्ती ने अयोध्या से पूरी सेना के साथ हस्तिनापुर आकर के राजा श्रेयांस व सोमप्रभ का खूब सम्मान किया एवं दान तीर्थ प्रवर्तक की उपाधि से उन्हें अलंकृत किया। इससे पूर्व दान देने की प्रथा इस धरती पर नहीं थी इसका शुभारंभ राजा श्रेयांस के द्वारा ही हुआ। तो यह दानवीर भूमि भी कहलाई।

अक्षय हो गई यह भूमि गन्ने की खेती से

तब से लेकर के आज तक ये हस्तिनापुर की धरती के समीप वर्ती क्षेत्रों में इच्छु (गन्ना) खेती खूब पाई जाती है उस दिन से इस धरती पर गन्ने की खेती भी अक्षय हो गई समीपवर्ती सभी क्षेत्रों में गन्ने की खेती होती है एवं ऐसा मानते है कि जैन साधु जहाँ पर भी विराजमान है उनको आज के दिन गन्ने के रस का आहार करवाया जाता है। जो लोग वर्षीय उपवास करते हैं वे पारणा करने के लिए हस्तिनापुर की धरती पर आकर के अपना उपवास समाप्त करके पारणा इच्छु रस से करते है और अपने आप को धन्य मानते हैं यह इस भूमि का असीम पुण्य है। अक्षय तृतीय आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है।

हस्तिनापुर जम्बूद्वीप स्थल पर जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा से आहार महल का निर्माण किया गया है। जिसमें भगवान ऋषभदेव व राजा श्रेयांस की प्रतिमा विराजमान की गई है। प्रत्येक वर्ष इस प्रतिमा के समक्ष इच्छुरस का आहार करवाया जाता है एवं आने वाले भक्त भगवान को आहार देने का सौभाग्य प्राप्त करते है एवं गन्ने के रस का प्रसाद ग्रहण करते है। अक्षय तृतीया का पावन पर्व हस्तिनापुर से ही प्रारंभ हुआ है इसकी पहचान ही हस्तिनापुर से है। तब से लेकर के आज तक करोड़ो वर्ष बीत गये लेकिन उसी मान्यता को लेकर भक्तगण आज भी इस धरती पर आ करके अक्षय तृतीया के दिन तीर्थ पर विराजमान साधुओं को आहार देकर के अपने जीवन को धन्य मानते है।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251